

पाठ - 7

नमाज़ से सम्बन्धित कुछ अहकाम

الدرس السابع - هندي

واجبات و أركان الصلاة

जो बातें नमाज़ में वाजिब हैं

1. तकबीर तहरीमा के सिवा अन्य तमाम तकबीरें,
2. रुकूअ में एक बार "सुबहान रब्बियल अज़ीम पढ़ना।
3. रुकूअ से सिर उठाते समय इमाम का "समीअल्लाहु लिमन हमिदह कहना। अकेले पढ़ रहा हो तो उसे भी कहना होगा।
4. रुकूअ से सिर उठाने के बाद "रब्बना व लकल हम्द, पढ़ना
5. सजदा में एक बार "सुबहान रब्बियल आला पढ़ना
6. दोनों सजदों के बीच रब्बिग फिरली कहना।
7. पहला तशहहुद पढ़ना
8. तशहहुद के लिए बैठना।

नमाज़ के अरकान

1. फ़र्ज़ नमाज़ों में ताक़त हो तो खड़ा होना, नफ़िल नमाज़ों में खड़ा होना वाजिब नहीं है, अलबत्ता बैठकर नमाज़ पढ़ने वाले को खड़ा होकर नमाज़ पढ़ने वाले की तुलना में आधा सवाब हासिल होगा,
2. तकबीर तहरीमा
3. हर रकअत में सूरह फ़ातिहा की तिलावत करना,
4. हर रकअत में रुकूअ करना,
5. रुकूअ से उठने के बाद सिधा खड़ा होना,
6. हर रकअत में दो बार सातों हड्डियों पर सजदा करना,
7. दोनों सजदों के बीच बैठना,
8. नमाज़ पढ़ते वक़्त सुकून और इत्मिनान का ख्याल रखना,
9. आखिरी तशहहुद,
10. आखिरी तशहहुद के लिए बैठना,
11. नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पर दरूद भेजना,
12. सलाम फेरना,
13. नमाज़ के अरकान के बीच तर्तीब का ख्याल रखना।